LOK SABHA

Monday, March 28, 1977/Chaitra 7 1899 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBERS SWORN

Shri Bindhyeshwari Prasad Mandal (Madhepura)

Shri Ebrahim Sulaiman Sait (Manjeri)

Shri Sreekantan Nair (Quilon)

Shri Narendrasingh Yadvendrasingh (Damoh)

Shri Hemvati Nandan Bahuguna (Lucknow)

Shri Ram Lal Rahi (Misrikh)

Shri Ram Nihor Rakesh (Chail)

Shri Saradish Roy (Bolpur)

Shri Gadadhar Saha (Birbhum)

Shri Ramubhai Rabjibhai Patel (Dadra and Nagar Haveli)

11.55 hrs.

ADDRESS BY THE VICE-PRESIDENT ACTING AS PRESIDENT

SECRETARY-GENERAL: Sir, I lay on the Table a copy of the Address by the Vice-President acting as President to both Houses of Parliament assembled together on the 28th March, 1977.

Address by the Vice-President acting as President

माननीय सदस्यगण,

मैं नई लोक सभा के सदस्यों को बधाई देता हूं और छठी संसद् के संयुक्त अधिवेशन में आप सब का स्वागत करता हूं।

इस अवसर पर जब हम एक सौम्य और परिचित चेहरा नहीं देखते तो मेरे विचार हमारे भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री फखरुद्दीन अली अहमद की ओर जाते हैं, जो एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ, विवेकपूर्ण सलाहकार, अनुभवी अगुवा तथा सज्जन पुरुष थे। आज हम उनके निधन पर शोक प्रकट करते हैं और बेगम आबिदा अहमद को अपनी हार्दिक संवेदनायें देते हैं।

अभी जो आम चुनाव हुआ है उससे प्रभावपूर्ण तथा निर्णायक ढंग से यह सिद्ध हो गया है कि जनता को अपनी ताकत, लोकतंत्रात्मक प्रक्रिया की जीवन-शक्ति, जिसकी जड़ जमी है, पर कितना भरोसा है। जनता ने प्रशासक के मनमानेपन तथा व्यक्ति-पूजा के अभ्युदय तथा गैर संवैधानिक शक्ति केन्द्रों के विरुद्ध वैयक्तिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र तथा विधि-नियम के पक्ष में अपना स्पष्ट निर्णय दिया है। यह चुनाव हमारी लोकतंत्रात्मक व्यवस्था की एक स्वस्थ दो-दलीय प्रणाली के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील-पत्थर है।

मेरी सरकार जनता द्वारा दिए गए निर्णय को हर तरह से पूरा करने के लिए वचनबद्ध है। ऐसा करने में यह मान कर नहीं चला जाएगा कि जनता कुछ नहीं जानती और